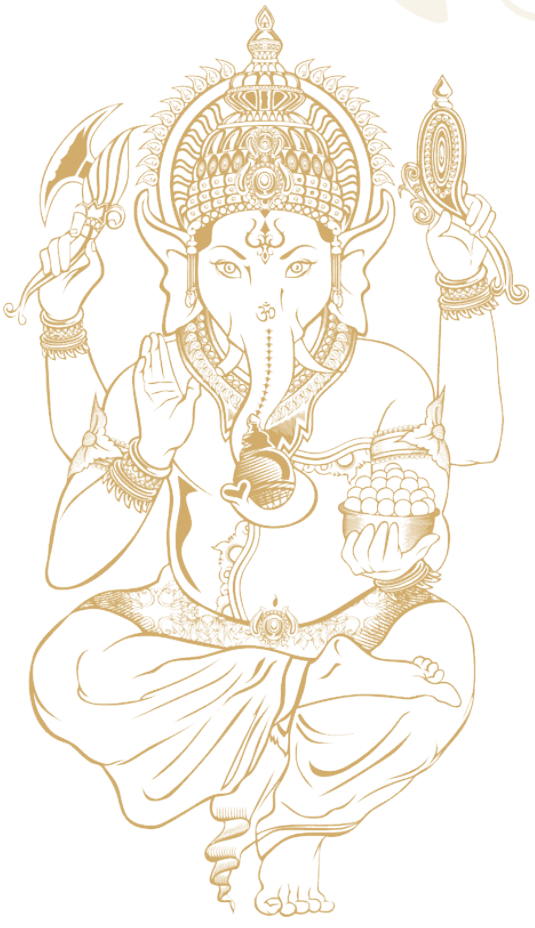

Mr.yathrth

Ms.sanjana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119961503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/12/2001	जन्म तिथि	14/06/2001
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	19:00:00 घंटे
घटी 23:19:01	जन्म समय(घटी)	33:18:27 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:23	सूर्योदय	05:40:37
17:43:20	सूर्यास्त	19:13:16
23:52:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 5मा 27दि	10:02:31	वृष	लग्न	वृश्चि	27:34:16	शनि 17वर्ष 6मा 28दि
सूर्य	29:38:59	वृश्चि	सूर्य	वृष	29:40:34	बुध
13/06/2025	06:40:47	धनु	चंद्र	मीन	04:19:49	12/01/2019
14/06/2031	10:53:28	कुंभ	मंगल व	वृश्चि	28:37:27	12/01/2036
सूर्य 01/10/2025	05:31:22	धनु	बुध व	मिथु	02:42:29	बुध 10/06/2021
चन्द्र 01/04/2026	18:57:08	मिथु व	गुरु	वृष	29:38:59	केतु 07/06/2022
मंगल 07/08/2026	22:27:19	वृश्चि	शुक्र	मेष	14:02:06	शुक्र 07/04/2025
राहु 02/07/2027	16:38:21	वृष व	शनि	वृष	13:03:38	सूर्य 11/02/2026
गुरु 19/04/2028	03:15:47	मिथु	राहु व	मिथु	12:34:12	चन्द्र 14/07/2027
शनि 01/04/2029	03:15:47	धनु	केतु व	धनु	12:34:12	मंगल 10/07/2028
बुध 05/02/2030	27:53:24	मक	हर्ष व	कुंभ	00:51:51	राहु 27/01/2031
केतु 13/06/2030	13:01:52	मक	नेप व	मक	14:35:48	गुरु 04/05/2033
शुक्र 14/06/2031	21:32:30	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:46:46	शनि 12/01/2036

लग्न-चलित

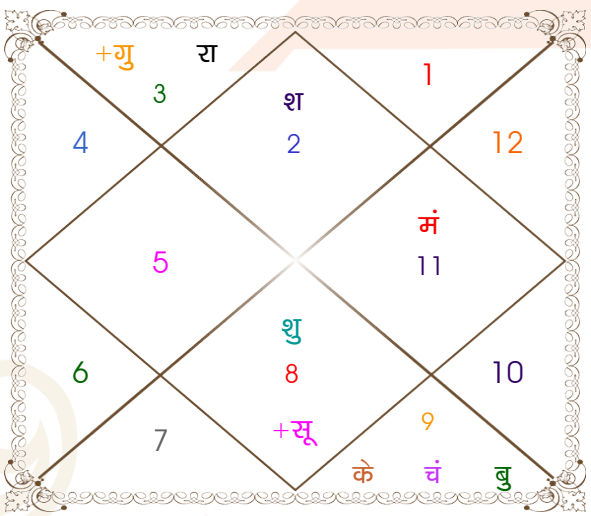

लग्न-चलित

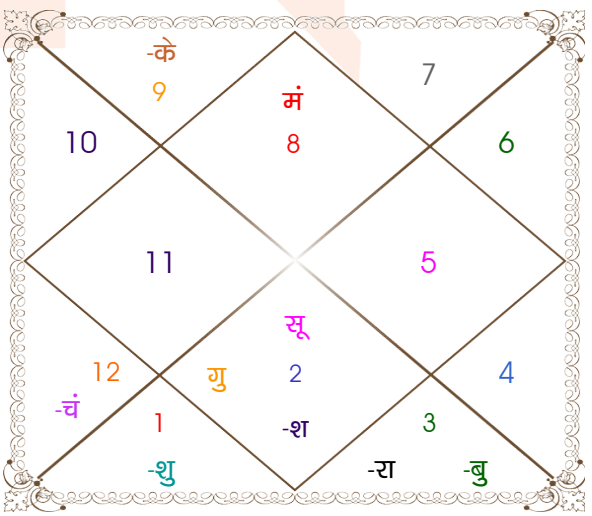

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्लंजीतजी का वर्ग मूषक है तथा डेण्ेंदरंदं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लंजीतजी और डेण्ेंदरंदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्लंजीतजी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डेण्ेंदरंदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ेंदरंदं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्लंजीतजी कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

डतण्लंजीतजी तथा डेण्ेंदरंदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।